Bachelor of Arts (B.A.-II) Fourth Semester

BA24B-4 – Pali & Prakrit Literature पालि वाङ्मय

P. Pages : 4 **GUG/W/18/181**

Time : Three Hours * 0 0 8 1 * Max. Marks : 80

सूचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. स्वीकृत माध्यमातून उत्तरे लिहा.
स्वीकृत माध्यम में उत्तर लिखिए।

1. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

तेन खो पन समयेन सञ्जयो परिब्बाजको राजगहे पटिवसति महतिया परिब्बाजक परिसाय सद्धिं अड्ढतेय्योहि परिब्बाज परिब्बाजके ब्रह्मचरियं चरन्ति। तेहि कतिका कता होति - यो पठमं अमत्तं अधिगच्छति, सो इतरस्स आरोचेतू ति। अथ खो आयस्मा अस्साजि पुब्बण्हसमयं निवासेत्वा पत्तचीवर मादाय गजगहं पिण्डाय पाविसि पासादिकेन अभिक्कन्तेन पटिक्कन्तेन आलोकितेन विलोकितेन सम्मिञ्जितेन पसरितेन ओक्खित्तचक्खु इरिया पथ सम्पन्नो। अद्दसा खो सारिपुत्तो परिब्बाजको आयस्मन्तं अस्सजि राजगहे पिण्डाय चरन्त पासादिकेन अभिक्कन्तेन पटिक्कन्तेन आलोकितेन विलोकितेन सम्मिञ्जितेन पसरितेन ओक्खित्तचक्खु इरिया पथ सम्पन्नो।

किंवा / अथवा

सोतं आदित्तं, सद्दा आदित्ता सोतविञ्ञाण आदित्तं सोतंसम्फस्सो आदित्तो, यदिदं सोतसम्फस्सपच्चया उप्पज्जति वेदयित्तं सुखं वा दुक्खं वा अदुक्खमसुखं वा तं पि आदित्तं। केन आदित्तं रागग्गिना दोसग्गिना मोहग्गिना आदित्तं, जातिया जराय मरनेन सोकेहि परिदेवेहि दुक्खेहि दोमनस्सेहि, उपायासेहि आदित्तं ति वदामि। घानं आदित्तं, गन्धा आदित्ता, घाण विञ्ञाण आदित्तं घाण सम्फस्सो आदित्तो, यदिदं घाणसम्फस्सपच्चया उप्पज्जति वेदयित्तं सुखं वा दुक्खं वा अदुक्खम सुखं वा तं पि आदित्तं

ब) 'काय काय जळत आहे' हे सविस्तर सांगा. **6**
'क्या-क्या जल रहा है' विस्तार से बताईए।

किंवा / अथवा

विनय पिटकाचे पालि साहित्यात स्थान सांगा.
विनय पिटक का पालि साहित्य में स्थान बताईए।

2. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

अथ खो भगवा पुब्बण्हसमयं निवासेत्वा पत्तचीवरमादाय येन अनाथपिण्डिकस्स गहपतिस्स निवेसनं तेनुपसङ्कमि, उपसङ्कमित्वा पञ्ञते आसने निसीदि। तेन खो पन समयेन अनाथपिण्डिकस्स गहपतिस्स निवेसने मनुस्सा उच्चासद्दा महासद्दा होन्ति। अथ खो अनाथपिण्डिको गहपति येन भगवा तेनुपसङकमि; उपसङ्कमित्वा भगवन्तं अभिवादेत्वा एकमन्तं निसीदि। एकमन्तं निसिन्न खो अनाथपिण्डिकं गहपति भगवा एतदवोच - किं नु ते, गहपतिए निवेसने मनुस्सा उच्चासद्दा महासद्दा केवट्टा मञ्ञे मच्छविलोपे'ति ''अयं, भन्ते, सुजाता घरसुण्हा अड्ढकुला आनीता। सा नेव सस्सुं आदियति, न ससुरं आदियति, न सामिकं आदियति, भगवन्तं वि न सक्करोति न गरुं करोति न मानेति न पूजेती' ति।

किंवा / अथवा

ननु सो, जीवक, भिक्खु तस्मिं समये अनवज्जं येव आहारं आहारेती' ति? 'एवं, भन्ते। सुतं मेतं भन्ते, ब्रह्मामेत्ताविहारी ति। तं मे इदं, भन्ते। सुतं मेतं, भन्ते भगवा सक्खिदिट्ठो, भगवा ही, भन्ते, मेताविहारी ति। 'येन खो, जीवक, रागेन येन दोसेन येन मोहेन ब्यापादवा अस्स सो रागो सो दोसो सो मोहो तथागतस्स पहिनो उच्छिन्नमूलो तालावत्थुकतो अनभावङ्कतो आयति अनुप्पाद धम्मो, सचे खो ते, जीवक इदं सन्धाय भासितं अनुजानामि ते एतं' ति। ''एतदेव खो पन मे, भन्ते सन्धाय भासितं''।

ब) भद्देकस्त सुत्ताचा सारांश लिहा. **6**
भद्देकस्तसुत्त का सार लिखिए।

किंवा / अथवा

सात प्रकारच्या भरियाचे वर्णन करा.
सात प्रकार की भरिया का वर्णन कीजिए।

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

1) मनुजस्स पमत्तचारिनो तण्ह वड्ढति मालुवा विया।
सो पलवति हुराहुरं फलमिच्छं व वनस्मिं वानरो।।

2) यं एसा सहती जन्मी तण्हा लोक विसत्तिका।
सोका तस्स पवड्ढन्ति अभिवट्ठं वं वीरणं।।

3) यो चेतं सहती जस्मिं तण्ह लोक दुरच्चयं।
सो तम्हा पपतन्ति उदबिन्द व पोक्खरा।।

4) तं वो वदामि भद्दं वो यावन्ते थ समागता।
तण्हाय मूलं खणथ उसीरत्थो' व वीरणं।।

किंवा / अथवा

1) सब्बत्थ वे सुप्पुरिसा चजन्ति, न काम कामा लपयन्ति सन्तो।
सुखेन फुट्ठा अथवा दुखेन, न उच्चावचं पण्डिता दस्सयन्ति।।

2) न अत्तहेतु न परस्स हेतु, न पुत्तमिच्छे न धनं न रट्ठं।
न इच्छेय्य अधम्मेन समिद्धिमत्तनो, स सीलवां पञ्ञवा धम्मिको सिया।।

3) अप्पका ते मनुस्सेसु, ये जना पारगमिनो।
अथायं इतरा पजा, तीरमेवानुधावति।।

4) ये च खो सम्मदक्खाते, धम्मे धम्मानुवत्तिनो।
ते जना पारमेस्सन्ति, मच्चुधेय्यं सुदुत्तरं।।

ब) चित्तवग्गाचा सारांश लिहा. **6**
चित्तवग्ग का सार लिखिए।

किंवा / अथवा

धम्मपदं ग्रंथाचे स्थान व महत्वं सांगा.
धम्मपद ग्रंथ का स्थान एवं महत्वं बताईए।

mumotes.in

4. अ) विभक्ती रुपे लिहा **कोणतेही एक.** **4**
विभक्ती रुप लिखिए **कोई भी एक।**

भिक्खु, धेनु, आयु

ब) आज्ञार्थ रुपे लिहा **कोणतेही दोन.** **2**
आज्ञार्थ रुप लिखिए। **कोई भी दो।**

पठ, रक्ख, गम, दिस

क) अव्यय ओळखा **कोणतेही दोन.** **2**
अव्यय पहचानिए **कोई भी दो।**

1) उपकरोति
2) सब्बदा
3) निसीदित्वा
4) करित्वा

ड) स्वीकृत माध्यमात भाषांतर करा. **4**
स्वीकृत माध्यम में अनुवाद कीजिए।

1) सा नरं न हिंसिस्सति।
2) अम्मा कुमारस्स भत्तं पचति।
3) सा बुध्दं सरणं गच्छति।
4) तुम्हे बुध्दस्स धम्मं हृदये पस्सथ।

इ) पालित भाषांतर करा. **4**
पालि में अनुवाद कीजिए।

1) मी नगरात भिकारी पाहतो.
मै नगर में भिखारी देखता हूँ।
2) मी शील ग्रहण करतो.
मै शील धारण करता हूँ।
3) आई काम करते.
माता काम करती है।
4) तो कविता लिहितो.
वह कविता लिखता है।

munotes.in

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही दोन.** **8**
टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी दो।**

1) मज्झिमनिकाय
2) विनयपिटक
3) धम्मपद
4) सारीपुत्र

ब) संक्षिप्त उत्तरे लिहा. **8**
संक्षेप में जवाब लिखिए।

1) 'तण्हा' चा निरोध कसा होता.
'तण्हा' का निरोध कैसे होता है।

2) सारीपुत्राचे नांव सांगा.
सारीपुत्त का नाम बताईए।

3) सहा इंद्रिये कोणती?
छः इन्द्रिये कौनसी?

4) पञ्च उपादानं कोणते?
पञ्च उपादान कौनसे?

****

munotes.in